तीव्र पुरुषार्थ - 14

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ एक एक के मस्तक में लाइट देखने आये... विनाश के समय में भी यह लाइट रूप आपको बहुत मदद देगी...

➳ _ ➳ कोई किस भी वृत्ति वाला आपके सामने आयेंगे वह इस देह को न देख आपके चमकते हुए इस बल्ब को देखेंगे...

➳ _ ➳ जो बहुत तेज़ लाइट होती है और उसको जब देखने लगते हैं तो दूसरी सारी चीज़ें छिप जाती हैं... वैसे ही जितनी जितनी आप सभी की लाइट तेज़ होगी, उतना ही उन्हों को आपकी देह देखते हुए भी नहीं देखने आएगी...

➳ _ ➳ जब देह को देखेंगे ही नहीं तो तमोगुणी दृष्टि और वृत्ति स्वतः ही खतम हो जायेगी... यह परीक्षाएं आनी हैं (02 / 02 / 1970)

➢➢ हमें अपने किस किस स्वरुप का साक्षातकार करवाना है ?

➳ _ ➳ बिंदु स्वरुप

➳ _ ➳ फ़रिश्ता स्वरुप

→ इस समय जो अब फ़रिश्ता स्वरुप में जितना ज्यादा टिकेगा, उतना ही वह अंत में फ़रिश्ता स्वरुप का साक्षातकार करवा पायेगा

➳ _ ➳ इष्ट देव का साक्षातकार

→ जिसकी जिसमे भावना होगी... जिसने जिसकी भक्ति की होगी... उसे उसका ही साक्षातकार होगा

→ शंकर में ही शिव नज़र आएगा

■ **SON SHOWS FATHER**